**Skill Development Programme
For Answer Writing
DISASTER MANAGEMENT
4 JAN 8:30 AM**

मुख्य परीक्षा

'हाल ही में आई बाढ़ जैसी विभिषिका ने विश्व के विभिन्न क्षेत्रों को काफी प्रभावित किया है।' बाढ़ को परिभाषित करते हुए इसके प्रमुख स्वरूपों व कारणों को बताइये। (250 शब्द)

'Recently, the dreadful event like flood has effected several regions of the world'. Define Flood and discuss its main characteristics and causes. (250 Words)

मॉडल उत्तर

भूमिका में

बाढ़ एक प्राकृतिक आपदा है, जिसमें अत्यधिक मात्रा में पानी एकत्र हो जाता है। इस प्रकार पानी की वह अतिप्रवाह जिसमें सामान्यत: सूखी रहने वाली भूमि भी डूब जाती है, बाढ़ कहलाती है। अत: बाढ़ में जल की अधिकता सर्वोपरि है, जो नदी बेसिन के आयतन से अधिक हो जाती है।

⇨ **पैरा बदलकर स्वरूप: इसके स्वरूप को मुख्य रूप से 4 भागों में बांटकर देखा जा सकता है-**

- नदीय बाढ़ (नदियों में जल धारण की क्षमता से अधिक जल का होना)
- सरोवरी बाढ़ (झील या तालाब की जल क्षमता में अचानक वृद्धि)
- समुद्री/तटीय बाढ़ (सुनामी, चक्रवात व अन्य किसी कारण से तटीय क्षेत्रों में जल की अधिकता)
- नगरीय बाढ़ (गलत नगर नियोजन, दोषपूर्ण सड़क विन्यास एवं अपर्याप्त जल निकास विन्यास की प्रतिकूल स्थिति)

⇨ **पुन: पैरा बदलकर बाढ़ के प्रमुख कारण: बाढ़ के प्रमुख कारणों में प्राकृतिक कारणों के साथ-साथ मानवीय कारण भी शामिल है, जिसमें-**

- अत्यधिक बारिश/वृष्टि प्रस्फोट, चक्रवात, सुनामी आदि का होना।
- नदी के तली पर अवसादों का जमा होना, जिससे जल संचयन की क्षमता का कम होना।
- नदियों का विसर्पण एवं नदियों का मार्ग परिवर्तन
- सहायक नदियों की संख्याओं का (किसी नदी विशेष में) अधिक होना।
- अवैज्ञानिक कृषि पद्धति जो भूमि की उर्वरता में कमी लाती है, जिससे मृदा अपरदन बढ़ता है जो वर्षा जल के साथ नदियों तक पहुँचकर नदियों के गाद में वृद्धि करता है।
- निर्वनीकरण-चूँकि पेड़-पौधें मिट्टियों को बांधनें के साथ-साथ जल के प्रवाह को भी कम करती है, किन्तु पेड़-पौधे की अनुपस्थिति में जल की सतही प्रवाह अत्यंत तीव्र हो जाती है, जो बाढ़ का एक प्रमुख कारण बनती है।
- बांधों व तटबंधों का टूटना।
- अपर्याप्त जल निकासी आदि।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।